एशिया महाद्वीप में जलवायु की स्थिति, 2023

प्रिलिम्स के लिये:

विश्व मौसम विज्ञान संगठन, हीटवेव, हिमनद झील में विस्फोट, सुंदरबन, **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना**, राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष

मेन्स के लिये:

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, सरकारी पहलें, संरक्षण

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन (World Meteorological Organization- WMO) ने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालने वाली **"एशिया महाद्वीप में जलवायु की स्थिति (State of the Climate in Asia), 2023"** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है।

- इस रिपोर्ट में एशियाई महाद्वीप में चरम मौसमी घटनाओं, बढ़ते तापमान और पर्यावरणीय परिवर्तनों के गंभीर परिणामों पर प्रकाश डाला गया है।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु क्या हैं?

- **सर्वाधिक आपदा-प्रवण क्षेत्र के रूप में एशिया:**
  - वर्ष 2023 में एशिया में 79 चरम मौसमी घटनाएँ घटित हुईं जिससे नौ मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए।
    - इन आपदाओं के कारण 2,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।
  - बाढ़ व तूफान के कारण वर्ष 2023 में एशिया में सबसे अधिक मौतें और साथ ही आर्थिक हानि हुई।
  - रिपोर्ट में बताया गया है कि **वैश्विक औसत की तुलना में एशिया महाद्वीप तेज़ी से तापमान वृद्धि हुई** है और **वर्ष 1961-1990 की अवधि के बाद से वार्मिंग की प्रवृत्ति लगभग दोगुनी हो गई** है।
  - रिपोर्ट में सतही तापमान, हिमनद के पीछे हटने और **समुद्र स्तर में वृद्धि** जैसे प्रमुख जलवायु परिवर्तन संकेतकों की तीव्र दर के कारण एशिया, यहाँ की अर्थव्यवस्था व पारिस्थितिकि तंत्र पर संभावित गंभीर परिणामों पर विशेष बल दिया गया है।

//

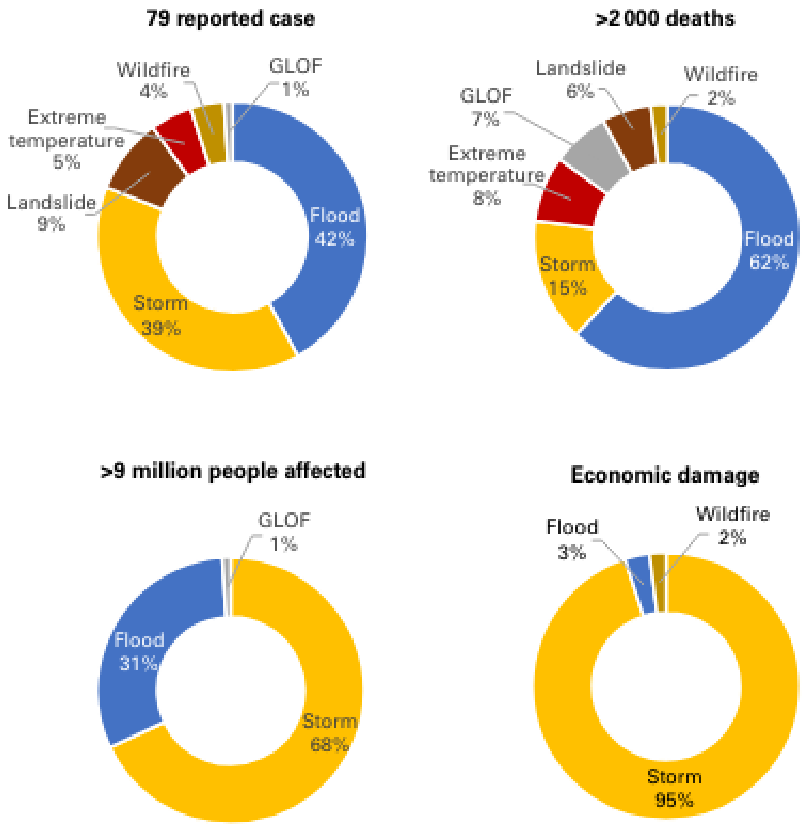

- **भारत पर प्रभाव:**
  - भारत को भीषण हीटवेव, वर्षा-प्रेरित बाढ़, **हिमनद झील में विस्फोट** और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का सामना करना पड़ा।
  - अप्रैल और जून 2023 में, भीषण **हीटवेव** के कारण लगभग 110 मौतें हुईं, इसी दौरान कुछ क्षेत्रों में तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया।
    - **अप्रैल और मई में लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव के कारण दक्षिण पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्से प्रभावित हुए** , इसके साथ ही, इसके प्रभाव पश्चिम की ओर बांग्लादेश व पूर्वी भारत तथा चीन के कुछ हिस्सों तक भी देखे गए।
  - अगस्त 2023 में बाढ़ की घटनाओं के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बड़ी संख्या में मौतें हुईं **जिससे बुनियादी अवसंरचनाओं एवं कृषि क्षेत्र को अत्यधिक हानि हुई**।
  - उत्तरी हिंद महासागर में उत्पन्न हुए छह उष्णकटिबंधीय चक्रवातों में से चार के प्रभाव भारत में देखे गए।
    - रिपोर्ट में बताया गया है कि चक्रवात संबंधी गतिविधि औसत से थोड़ी अधिक थी। छह चक्रवातों में से बंगाल की खाड़ी में चार- **मोखा**, **हामून**, **मिधिली** **और** **मिचौंग** तथा अरब सागर के ऊपर दो- **बिपरजॉय व तेज़** चक्रवात निर्मित हुए।
  - भारत के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में वर्ष 1991-2021 के औसत की तुलना में सर्वाधिक तापमान वृद्धि दर्ज की गई।
  - **बंगाल की खाड़ी में समुद्र स्तर में वृद्धि वैश्विक औसत से 30% अधिक रही**, विशेष रूप से **सुंदरबन क्षेत्र** में।

EXTREME WEATHER EVENTS IN INDIA LAST YR

APRIL-JUNE: Severe heatwave, 110 people dead from heatstroke.

AUGUST: Floods in Himachal, Uttarakhand; 25 deaths, agri, infra damaged.

OCTOBER: Glacial lake outburst flood in Sikkim; 40 deaths

DECEMBER: Cyclone Michuang makes landfall in Andhra; 22 deaths

The Vision

- **बढ़ता तापमान और पिघलते हिमनद:**
    - वर्ष 2023 में एशिया में **सतही तापमान का वार्षिक औसत** अब तक दर्ज किया गया दूसरा सर्वाधिक तापमान था।
    - हिमनदों के पिघलने के कारण **उच्च पर्वतीय एशिया क्षेत्र** (जहाँ ध्रुवीय क्षेत्रों के अतिरिक्त बर्फ की सबसे बड़ी मात्रा मौजूद है) खतरे में है।
- **सामान्य से कम वर्षा और विनाशकारी बाढ़:**
    - वर्ष 2023 में लगभग पूरे एशियाई क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा हुई।
    - कम वर्षा के बावजूद, एशिया में रिपोर्ट किये गए **जल-मौसम संबंधी खतरों में से 80% से अधिक बाढ़ और तूफान की घटनाएँ थीं** , जिससे बड़ी संख्या में मौतें हुईं तथा लाखों लोग प्रभावित हुए।
        - रिपोर्ट की गई घटनाओं में सर्वाधिक मौतें बाढ़ के कारण हुईं, विशेष रूप से भारत, यमन और पाकिस्तान में।
- **एक ठोस जलवायु वित्त व्यवस्था की आवश्यकता:**
    - इस रिपोर्ट में एशिया के विकासशील देशों में अनुकूलन को बढ़ाने और क्षति को कम करने के लिये एक मज़बूत जलवायु वित्त तंत्र की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन:

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन **संयुक्त राष्ट्र का एक विशेष संगठन** है जो पृथ्वी के वायुमंडल, समुद्र, जलवायु और जल संसाधनों के अग्रणी प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है।
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की स्थापना **अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठन** (IMO) के रूप में की गई थी, IMO वर्ष 1951 में संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी के रूप में नामित एक गैर-सरकारी संगठन है।
    - इस परिवर्तन ने इसे मौसम विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद की।
- WMO का मुख्यालय **जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड** में स्थित है, तथा इसमें भारत सहित 192 सदस्य राज्य और क्षेत्र हैं।
- WMO की शासन संरचना में **विश्व मौसम विज्ञान कॉन्ग्रेस** सर्वोच्च निकाय है।
- WMO को छह क्षेत्रीय संघों और आठ तकनीकी आयोगों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक मौसम विज्ञान, जल विज्ञान अथवा संबद्ध विज्ञान के एक विशिष्ट घटक पर केंद्रित है।
- **23 मार्च 1950** को इस अभिसमय की स्थापना के उपलक्ष्य में WMO 23 मार्च को **विश्व मौसम विज्ञान दिवस** के रूप में मनाता है।
    - यह समाज की सुरक्षा और कल्याण के लिये राष्ट्रीय मौसम विज्ञान एवं जल विज्ञान सेवाओं की प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डालता है तथा वैश्विक स्तर पर इस संगठन की गतिविधियाँ इसका प्रमाण हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने से संबंधित पहलें क्या हैं?

- **भारत:**
    - राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC)।
    - जलवायु परिवर्तन पर राज्यीय कार्य योजना (SAPCC)।
    - राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष (NAFCC)।
    - राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC)।
- **वैश्विक स्तर पर:**
    - लॉस एंड डैमेज फंड (हानि और क्षति कोष)
    - **वैश्विक जलवायु परिवर्तन गठबंधन (GCCA):**
        - **यह यूरोपीय संघ की पहल है** जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित गरीब विकासशील देशों के साथ गठबंधन स्थापित करना है।
        - यह यूरोपीय आयोग के राजनीतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से संचालित होता है और**पेरिस समझौते** एवं **सतत् विकास के लिये वर्ष 2030 एजेंडा** को समर्थन प्रदान करने हेतु वर्ष 2015 में परिवर्तित होकर GCCA+ हो गया।
    - **मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ:**
        - यह **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय (UNFCCC)** सचिवालय द्वारा वर्ष 2015 में शुरू की गई एक पहल है।
        - इस पहल का उद्देश्य सरकारों, संगठनों और व्यवसायों को जलवायु तटस्थता प्राप्त करने की दिशा में कार्रवाई करने के लिये प्रोत्साहित करना तथा उन्हें सहायता प्रदान करना है।

भारत का जलवायु संबंधी लक्ष्य:

- वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता निर्माण।
- वर्ष 2030 तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का 50% नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करना।
- वर्ष 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में कुल 1 बिलियन टन की कमी लाना।
- वर्ष 2030 तक अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता में वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में 45% की कमी लाना।
- वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना।

[illegible]:

प्रश्न. भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए एशिया के कमज़ोर देशों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का विश्लेषण कीजिये। विभिन्न जलवायु कारक मौजूदा सुभेद्यताओं को किस प्रकार और प्रतिकूल बनाते हैं?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारत सरकार के 'हरित भारत मिशन (Green India Mission)' के उद्देश्य को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है/करते हैं? (2016)

1. पर्यावरणीय लाभों एवं लागतों को केंद्र एवं राज्य के बजट में सम्मिलित करते हुए तद्द्वारा 'हरित लेखाकरण (ग्रीन अकाउंटिंग)' को अमल में लाना
2. कृषि उत्पाद के संवर्द्धन हेतु द्वितीय हरित क्रांति आरम्भ करना जिससे भविष्य में सभी के लिये खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो
3. वन आच्छादन की पुनर्प्राप्ति और संवर्द्धन करना तथा अनुकूलन (अडैप्टेशन) एवं न्यूनीकरण (मिटिगेशन) के संयुक्त उपायों से जलवायु परिवर्तन का प्रत्युत्तर देना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

प्रश्न. 'भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन संधि (ग्लोबल क्लाइमेट चेंज एलाएंस)' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह यूरोपीय संघ की पहल है।
2. यह लक्ष्याधीन विकासशील देशों को उनकी विकास नीतियों और बजटों में जलवायु परिवर्तन के एकीकरण हेतु तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
3. इसका समन्वय विश्व संसाधन संस्थान (WRI) और धारणीय विकास हेतु विश्व व्यापार परिषद् (WBCSD) द्वारा किया जाता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. "मोमेंटम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल किसके द्वारा प्रवर्तित की गई है? (2018)

(a) जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल
(b) UNEP सचिवालय
(c) UNFCCC सचिवालय
(d) विश्व मौसमविज्ञान संगठन

उत्तर: (c)

[illegible]:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के सी.ओ.पी. के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई वचनबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

प्रश्न. 'जलवायु परिवर्तन' एक वैश्विक समस्या है। भारत जलवायु परिवर्तन से किस प्रकार प्रभावित होगा ? जलवायु परिवर्तन के द्वारा भारत के हिमालयी और समुद्रतटीय राज्य किस प्रकार प्रभावित होंगे? (2017)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-state-of-the-climate-in-asia-2023